



कानाराम बनाम सरकार
जमानत प्रार्थना पत्र संख्या : 120 / 2026
एन0सी0वी0 नंबर 173 / 2026
सी0एन0आर0 नंबर RJJ010007312026
प्रथम सूचना रिपोर्ट सं0 14 / 2026
पुलिस थाना-मौजमाबाद, जिला जयपुर
आदेश दिनांक 10 जून, 2026

न्यायालय विशिष्ट न्यायाधीश, अनुसूचित जाति और
अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) प्रकरण,
जयपुर जिला जयपुर
(अति0 सेशन न्यायाधीश, कम-2, जयपुर जिला जयपुर)

पीठासीन अधिकारी : विद्यानन्द शुक्ला, आर0जे0एस0
“जिला न्यायाधीश संवर्ग”

जमानत आवेदन संख्या : 120 / 2026

एन0सी0वी0 नंबर : 173 / 2026

कानाराम पुत्र श्री देवकरण उर्फ देवकरन, उम्र-38 साल,
निवासी-गुर्जरो का मौहल्ला, ग्राम उदयपुरिया, पुलिस थाना दूदू,
जिला जयपुर।

—प्रार्थी / अभियुक्त

बनाम

राजस्थान सरकार जरिए लोक अभियोजक, जयपुर जिला।

माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा क्रिमीनल अपील नं0 825 / 2026 जेबा खान बनाम
उत्तरप्रदेश राज्य में प्रदत्त निर्देशों / आदेश के अनुसरण में विवरण :-
प्रकरण का विवरण:-

एफआईआर नंबर	दिनांक	एफआईआर दर्ज धाराएँ	अधिकतम सजा
14 / 2026	05.03.2026	115(2), 351(2), 64(1), 70(1) भारतीय न्याय संहिता व 3-2(v)(Va)Sc/St Act	आजीवन कारावास

अभियुक्त का विवरण

गिरफ्तारी दिनांक	निरुद्ध अवधि
26.05.2026	14 दिवस

विचारण का स्तर

प्रकरण अनुसंधानरत है।

आपराधिक रिकार्ड

क्र.सं.	मु0नं0 व धारा	चालान नं.	फैसला
-शून्य-			

पूर्व में प्रस्तुत जमानत प्रार्थना पत्र

क्र.सं.	न्यायालय	जमानत प्रार्थना पत्र संख्या	जमानत आदेश दिनांक	आदेश
शून्य				

बाध्यकारी प्रक्रियाएँ : गैर जमानती वारंट, उद्घोषित अपराधी का दर्जा

शून्य



प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 14 / 2026 पुलिस थाना—मौजमाबाद
अपराध अन्तर्गत धारा 115(2), 351(2), 64(1), 70(1) भारतीय न्याय
संहिता व 3-2(V)(Va)Sc/St Act

जमानत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 483 बी.एन.एस.एस.

उपस्थित:

- 1— सर्वश्री सुनील वशिष्ठ, सुरेश कुमार शर्मा, अभिषेक ढाका, प्रियंका खैडवाल,
छोटूलाल गुर्जर व कंचन कसाना अधिवक्तागण, प्रार्थी/अभियुक्त की ओर से।
- 2— अपर लोक अभियोजक, राज्य की ओर से।
- 3— परिवादी की ओर से बावजूद नोटिस कोई उप0 नहीं।

आदेश

दिनांक 10 जून, 2026

1. प्रार्थी/अभियुक्त कानाराम की ओर से जरिये अधिवक्ता जमानत प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 483 बी0एन0एस0एस0 के तहत पेश किया गया। जिसकी नकल विद्वान अपर लोक अभियोजक को दिलाई गयी। केस डायरी तलब की गयी।
2. बहस प्रार्थना पत्र सुनी गयी। केस डायरी का अवलोकन किया गया।
3. प्रार्थना पत्र के निस्तारण हेतु संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि प्रथम सूचनाकर्ता पीड़िता द्वारा थानाधिकारी, पुलिस थाना मौजमाबाद के समक्ष दिनांक 05.03.2026 को एक लिखित रिपोर्ट पेश कर जाहिर किया कि “ वह खेती बाड़ी करके अपना व अपने परिवार का पेट पालन करती है। उसका पति मानसिक रूपसे बीमार रहता है व मेरे दो पुत्र है जिनमे से एक पुत्र नाबालिग है तथा दूसरा पुत्र मानसिक रोगी है। उक्त गांव रसीली में हमारी खेती की भूमि है जिसको रामदेव कुम्हार, जो कि हमारी खेती की भूमि को बांटे पर बा—जोत करता आ रहा है। वर्ष 2019 मे मैं अपने खेत में दोपहर अपनी चोमासे की बाजरे की फसल की संभालने गई तो खेत मे रामदेव कुम्हार मौजूद था और जिसने मुझे बातो मे लगा लिया तथा कहा कि गर्मी हो रही है मैं जाकर ठण्डा लेकर आता हू जब तक तुम खेत की संभाल करो यह कह कर वह ठण्डा लाने के लिये चला गया कुछ देर बाद रामदेव वापस लौटा व अपने साथ पेप्सी की बोतल व एक ग्लास लेकर आया तथा मुझे पेप्सी पिला दी उसने खुद ने पेप्सी नहीं पी जब मैंने इसका कारण पुछा तो वह कहने लगा कि मैं तो दुकान पर ही पीकर आ गया हूँ। पेप्सी पीने के कुछ देर बाद मैं बेहोश हो गई मेरी बेहोशी का नाजायज फायदा उठाते हुये रामदेव ने मेरे साथ मेरी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया तथा मेरा अश्लील विडियो बना लिया। इसके बाद मुझे जब होश आया तो मैंने मेरी अस्त व्यस्त स्थिति को देख कर उससे पूछा कि तुने मेरे साथ क्या किया है तथ मुझे पेप्सी मे क्या पिलाया जिससे मैं बेहोश हो गई इस पर उसने मुझे मेरा



बनाया हुआ अश्लील विडियो दिखाते हुये मुझे मेरे साथ जबरन मेरी इच्छा के विरुद्ध किये गये दुष्कर्म की विडियो क्लिपिंग दिखाई जिसे मैं देख कर दंग रह गई तथा मैंने जब उसे ऐसा करने के बारे में उलाहना दिया तो वह मुझे मेरे घर दूदू छोड़ कर चला गया तथा मुझे धमकाते हुये कहा कि किसी को तुने इस घटना के बारे में बताया तो मैं तेरा विडियो वायरल कर दूंगा तथा तेरे दोनो बच्चो को जान से मार दूंगा मैं डर के मारे चुप रह गई इसके बाद भी रामदेव मुझे धमका कर आये दिन मेरी विडियो क्लिपिंग को उजागर करने का दबाव बनाकर व मेरे बच्चो को नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर जबरन मेरी इच्छा के विरुद्ध मेरा देहशोषण मेरी इच्छा के विरुद्ध करने लगा इतना ही नहीं वह आये दिन दूदू मेरे घर पर आकर भी मेरे साथ जब चाहे जब दुष्कर्म करके चला जाता। मैं उसे ऐसा करने से रोकती व एतराज करती तो वह मुझे मेरी खीची गई विडियो क्लिपिंग को गांव में उजागर करके मुझे बदनाम करने की धमकीया देकर चुप कर देता। इतना ही नहीं बाद में वह अपने साथ अपने भाई धन्नाराम कुम्हार को भी लेकर आने लगा तथा दोनो मिल कर मेरे साथ जबरन दुष्कर्म कर जाते। उसके बाद इन दोनो ने उक्त दुष्कृत्य करने का रोज का सिलसिला चालू कर दिया। इतना ही नहीं उसके बाद नवम्बर वर्ष 2023 मे मंजूर अली नामक व्यक्ति मेरे घर आया तथा मेरे से कहा कि तेरे साथ रामदेव ने खेत पर जो गलत काम किया था उसका विडियो मेने देख लिया है जो मेरे पास है जिसे मैं वायरल कर दूंगा यदि तु अपना भला चाहती है तो मैं जैसा करू वैसा करने दे, उसकी धमकी से मैं घबरा गई तथा उसने भी मेरे साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और वह भी निरन्तर मुझे मेरा विडियो वायरल करने की धमकी देकर मेरा देहशोषण करने लगा और अपने साथ अन्य दो व्यक्तियों को भी लाकर मेरे साथ दुष्कर्म कराता जिनका मैं नाम नहीं जानती जिनको सामने आने पर पहचान सकती हूँ। इनकी इन हरकतो से मैं काफी दबाव में आ गई तथा मानसिक रूप से बीमार हो गई जिसका इलाज मेरा पिछले दो साल से निरन्तर चल रहा है। मेरी इस परिस्थिति में भी मंजूर ने मेरा देहशोषण करना बंद नहीं किया तथा डरा धमका कर मेरे साथ अक्सर दुष्कर्म कर देहशोषण करता आ रहा है तथा वह चालाकीपूर्वक मेरे साथ जबरन दुष्कर्म करने के पश्चात मेरे अन्तःवस्त्रो को अपने साथ लेकर चला जाता और धमकी देकर जाता कि तु मुझे नहीं जानती है मेरी राजनैतिक उपर तक पहुंच है मैं तेरे को वेश्यावृत्ति के झूठे आरोप में जेल में बंद करा दूंगा। इतना ही नहीं गत एक वर्ष से मंजूर के साथ कानाराम गुर्जर ने भी आकर मेरे साथ गलत काम किया व निरन्तर दुष्कर्म करता आ रहा है उक्त मंजूर व कानाराम के द्वारा मेरे साथ जबरन किये गये दुष्कर्म के दौरान मेरे पहने हुये कपडे अपने साथ ले जाना भूल गये जो आज भी मेरे पास सुरक्षित है। दिनांक 21.2.2026 को दिन में 12.30 बजे के आस पास कानाराम गुर्जर मेरे घर आया तथा मेरे साथ कानाराम व मंजूर के द्वारा पूर्व



में किये गये दुष्कर्म के जो कपड़े ले जाना भूल गया था वह मुझसे लेने के लिये आया। जब मेने उसे उक्त वस्त्रों को देने से मना किया तो उसने वहां रखे डण्डे से मुझे मारपीट कर गिरा दिया जिससे मेरे पैर मे फ्रेक्चर हो गया। उसी दौरान मेरा पुत्र दिनेश व मोती हरिजन निवासी दूदू मेरे घर आये तो उनको देख कर कानाराम वहां से भाग गया। उसके बाद मेरा पुत्र दिनेश व मोती हरिजन मुझे अस्पताल लेकर गये जहां मेरा इलाज किया व मेरे पैर में प्लास्टर बांधा गया। उसके बाद से ये लोग मुझे व मेरे पुत्र को निरन्तर धमकीया दे रहे है कि तु हमें अपने अंतः वस्त्र दे दे नहीं तो तुझे तेरे को जान से मार देगे और वेश्यावृत्ति के झूठे मुकदमे मे फंसा देगे...आदि।” उक्त रिपोर्ट पर पुलिस थाना मौजमाबाद में प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 14/2026 अंतर्गत धारा 115(2), 351(2), 64(1), 70(1) भारतीय न्याय संहिता व 3-2 (V)(Va)Sc/St Act में दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया एवं दौराने अनुसंधान प्रार्थी/ अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जिस पर न्यायालय द्वारा अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में प्रति प्रेषित किया गया तत्पश्चात् प्रार्थी/अभियुक्त की ओर से हस्तगत जमानत प्रार्थना पत्र न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

4. बहस के दौरान प्रार्थी/अभियुक्त के विद्वान अधिवक्ता ने जमानत आवेदन में वर्णित तथ्यों की पुनरावृत्ति करते हुए मौखिक बहस में कथन किया है कि पीड़िता ने प्रार्थी के विरुद्ध झूठे, मनगढन्त, आधारहीन तथ्यों पर झूठा प्रकरण दर्ज करवाया है। पीड़िता द्वारा दर्ज करवायी गयी रिपोर्ट पर पूर्व में अनुसंधान कर एफआर लगा दी थी जिसे पीड़िता ने रीओपन करवाया है जिसमें प्रार्थी को गलत रूप से लिप्त किया गया है। पीड़िता ने घटना के करीब एक वर्ष बाद रिपोर्ट दर्ज करवायी है जिस देरी का कोई कारण नहीं बताया है। पीड़िता ने कोई इलेक्ट्रोनिक व दस्तावेजी साक्ष्य अनुसंधान के दौरान प्रस्तुत नहीं की है। प्रार्थी से किसी प्रकार का अनुसंधान व बरामदगी शेष नहीं है। प्रार्थी मजदूरीपेशा व्यक्ति हैं जिसे अधिक समय तक न्यायिक अभिरक्षा में रखे जाने से परिवार के भूखे मरने की नौबत आ जाएगी। प्रकरण के अनुसंधान एवं तत्पश्चात् विचारण में समय लगने की संभावना है। अंत में प्रार्थी/अभियुक्त को जमानत का लाभ प्रदान किए जाने का निवेदन किया तथा अपने तर्कों के समर्थन में निम्न न्यायिक दृष्टान्त प्रस्तुत किए :-

- (1) लॉ एंड वर्डिकट 2026 एससी मुकेश कुमार बनाम बिहार राज्य, 6426
- (2) 2021 (4) काईम्स (पटना) बिहार राज्य और अन्य बनाम तस्लीम (परिवर्तित नाम) ओर अन्य, 170



- (3) लॉ एंड वर्डिक्ट 2024 एससी महेश दामु खरे बनाम महाराष्ट्र राज्य और अन्य, 11131
- (4) 2021 (1) डब्ल्युएलसी (राज0) युसी मोहम्मद समीर कुरेशी बनाम राजस्थान राज्य, 553
- (5) लॉ एंड वर्डिक्ट 2014 एससी मुन्ना बनाम मध्यप्रदेश राज्य, 636
- (6) 2016 क्रि0लॉ0र्नल दीपक आर्य बनाम उत्तराखण्ड राज्य, 98
- (7) लॉ एंड वर्डिक्ट 2021 एससी विकाश उर्फ विकास कुमार उर्फ विकाश कुमार सिंह बनाम बिहार राज्य, 4386
- (8) 2022 (2) काईम्स (मद्रास) शिवासंकर बाबा उर्फ सी0एन0 शिवासंकर बनाम राज्य, 328
- (9) 2024 (10) डब्ल्युएलसी (एससी) पार्थाचटर्जी बनाम प्रवर्तन निदेशक, 581

5. विद्वान अपर लोक अभियोजक ने आवेदन पत्र का विरोध करते हुए कथन किया है कि प्रार्थी/अभियुक्त के विरुद्ध पीड़िता, जो कि अनु0 जाति/जनजाति की सदस्या हैं, के साथ अन्य अभियुक्तगण के साथ मिलकर सामूहिक बलात्कार करने व जान से मारने की धमकी देने के गंभीर प्रकृति के अपराध का आरोप हैं। अतः जमानत आवेदन पत्र खारिज किया जावें।

6. उभय पक्षों के तर्कों पर मनन किया गया एवं केस डायरी का अवलोकन किया गया।

7. प्रार्थना पत्र के संबंध में न्यायालय का मत इस प्रकार है कि प्रार्थी/अभियुक्त के विरुद्ध अब तक के अनुसंधान से धारा 64 (1) भारतीय न्याय संहिता व धारा 3-1(W)(ii), 3-2(V)Sc/St Act के अपराध का आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाया गया है। पत्रावली पर पीड़िता के धारा 183 बी.एन.एस.एस. के बयान भी मौजूद हैं, जिसमें पीड़िता द्वारा अभियुक्त को अपराध के संबंध में नामित किया है। अभियुक्त प्रथम सूचना रिपोर्ट में भी नामित हैं। पीड़िता की बलात्कार के संबंध में एफएसएल रिपोर्ट भी प्राप्त हो चुकी है। प्रार्थी/अभियुक्त दिनांक 26.05.2026 से न्यायिक अभिरक्षा में है। यद्यपि केस डायरी से प्रार्थी/अभियुक्त के विरुद्ध अन्य कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज/लंबित/विचाराधीन होना दर्शित नहीं हैं किंतु प्रार्थी/अभियुक्त के विरुद्ध गंभीर प्रकृति के अपराध का आरोप है।

8. जहां तक प्रार्थीगण की ओर से प्रस्तुत न्यायिक दृष्टान्तों का प्रश्न है, तो



(1) लॉ एंड वर्डिक्ट 2026 एससी मुकेश कुमार बनाम बिहार राज्य, 6426 (2) लॉ एंड वर्डिक्ट 2024 एससी महेश दामु खरे बनाम महाराष्ट्र राज्य और अन्य, 11131 के मामलों में विवाह करने का वचन दिये जाने के आधार पर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप था। इसी प्रकार 2021 (1) डब्ल्युएलसी (राज0) युसी मोहम्मद समीर कुरेशी बनाम राजस्थान राज्य, 553 के मामले में पीड़िता नाबालिग थी इसलिए तब बलपूर्वक लैंगिक हमले के चिन्ह ना होने के आधार पर जमानत स्वीकार की गयी थी। इसी प्रकार 2022 (2) काईम्स (मद्रास) शिवासंकर बाबा उर्फ सी0एन0 शिवासंकर बनाम राज्य, 328 के मामले में भी पीड़िता नाबालिग थी ओर अभियुक्त द्वारा आपराधिक कृत्य किये जाने की शिकायत सात वर्ष बाद की गयी थी। इसी प्रकार 2024 (10) डब्ल्युएलसी (एससी) पार्थाचटर्जी बनाम प्रवर्तन निदेशक, 581 का मामला मनी लांड्रिंग का था। इन मामलों में विशेष परिस्थितियाँ होने के आधार पर अभियुक्त को जमानत का लाभ दिया गया था। हस्तगत प्रकरण की स्थिति पूर्णतया भिन्न हैं मामला संगीन प्रकृति का है। इसी प्रकार अन्य न्यायिक दृष्टान्तों में अपील की सुनवाई के वक्त अर्थात् गुणावगुण पर मामले की सुनवाई के पश्चात् जो निर्णय प्रदान किया गया उसकी विवेचना कर अभियुक्त को जमानत का लाभ प्रदान किया गया है। ऐसी स्थिति में इस स्तर पर प्रकरण के गुणावगुण पर कोई टिप्पणी किया जाना अपेक्षित नहीं है। अतः उपरोक्त न्यायिक दृष्टान्तों से अभियुक्त को कोई सहायता प्राप्त नहीं होती हैं। अतः प्रकरण के गुणावगुण पर कोई टिप्पणी ना करते हुए प्रकरण के तथ्यों, परिस्थितियों एवं अपराध की गंभीर प्रकृति को देखते हुए न्यायालय प्रार्थी/ अभियुक्त कानाराम को जमानत का लाभ दिया जाना उचित नहीं समझती है।

9. फलतः प्रार्थी/अभियुक्त कानाराम की ओर से प्रस्तुत जमानत प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 483 बी0एन0एस0एस0 अस्वीकार कर, खारिज किया जाता है।

(विद्यानन्द शुक्ला)

विशिष्ट न्यायाधीश,
अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति
(अत्याचार निवारण) प्रकरण, जयपुर जिला जयपुर
(अति0 सेशन न्यायाधीश, क्रम-2, जयपुर जिला जयपुर)

10. आदेश आज दिनांक 10 जून, 2026 को विवृत न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया।

(विद्यानन्द शुक्ला)

विशिष्ट न्यायाधीश,
अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति
(अत्याचार निवारण) प्रकरण, जयपुर जिला जयपुर
(अति0 सेशन न्यायाधीश, क्रम-2, जयपुर जिला जयपुर)